IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 2, March 2026
Impact Factor: 8.2

नाटक-लक्षणरत्नकोश ऐवं नाटकचन्द्रिका में नाटक-लक्षणों की परिभाषा ऐवं वर्गीकरण : एक तुलनात्मक विवेचन

लाली कुमारी

विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार

सारांश

प्रस्तुत शोध-प्रबंध में नाटक-लक्षणरत्नकोश तथा नाटकचन्द्रिका में प्रतिपादित नाटक-लक्षणों की परिभाषा एवं वर्गीकरण-प्रणाली का तुलनात्मक एवं समीक्षात्मक अध्ययन किया गया है। संस्कृत नाट्यशास्त्रीय परम्परा में नाटक को रूपक का प्रधान भेद मानते हुए उसकी संरचना, उद्देश्य तथा सौन्दर्यशास्त्रीय आधारों पर विविध आचार्यों द्वारा भिन्न-भिन्न लक्षण प्रस्तुत किए गए हैं। इसी परम्परा में नाटक-लक्षणरत्नकोश और नाटकचन्द्रिका दो महत्वपूर्ण ग्रंथ हैं, जिनमें नाटक के स्वरूप, तत्त्व और वर्गीकरण को विशिष्ट दृष्टिकोण से व्याख्यायित किया गया है।

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य इन दोनों ग्रंथों में उपलब्ध नाटक-लक्षणों की अवधारणा, उनकी परिभाषात्मक संरचना तथा वर्गीकरण के आधारों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करना है। अनुसंधान में यह स्पष्ट किया गया है कि नाटक-लक्षणरत्नकोश जहाँ लक्षणों को अपेक्षाकृत नियमात्मक एवं सूत्रात्मक शैली में प्रस्तुत करता है, वहीं नाटकचन्द्रिका व्याख्यात्मक तथा विवेचनात्मक दृष्टिकोण को अधिक महत्व प्रदान करती है। दोनों ग्रंथों में नाटक की परिभाषा के अंतर्गत वस्तु, नायक, रस, संधि, वृत्ति तथा अभिनय जैसे तत्त्वों की भूमिका स्वीकार की गई है, किन्तु इनके प्रस्तुतीकरण और वर्गीकरण की पद्धति में वैचारिक भेद परिलक्षित होता है।

अध्ययन-पद्धति के रूप में पाठालोचन, संदर्भ-विश्लेषण तथा तुलनात्मक पद्धति को अपनाया गया है। इस शोध के निष्कर्ष यह संकेत करते हैं कि दोनों ग्रंथ नाटक-लक्षण की शास्त्रीय परम्परा से जुड़े रहते हुए भी अपने-अपने ढंग से नाट्यशास्त्रीय चिन्तन को समृद्ध करते हैं। अतः यह तुलनात्मक विवेचन संस्कृत नाट्यशास्त्र में नाटक-लक्षण की बहुआयामी समझ को विस्तारित करने में सहायक सिद्ध होता है।

मुख्य शब्द: नाटक-लक्षण, रूपक, नाट्यशास्त्र, नाटकचन्द्रिका, नाटक-लक्षणरत्नकोश, वर्गीकरण

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-31572